



3

---

---

---

---

---


---

---

---

**2 Timothy 1:12**

...I am not ashamed, for I know whom I have believed, and I am convinced that he is able to guard until that day what has been entrusted to me.



4

---

---

---

---

---


---

---

---

**Psalm 139**

13 For you formed my inward parts; you knitted me together in my mother's womb. 14 I praise you, for I am fearfully and wonderfully made. Wonderful are your works; my soul knows it very well.



5

---

---

---

---

---

---

---

---

**Psalm 139**

15 My frame was not hidden from you, when I was being made in secret, intricately woven in the depths of the earth.



6

---

---

---

---

---

---

---

---

**Keeper of our Body**

1. Astonished by our intricate creation



7

---

---

---

---

---

---

---

---

**Psalm 139:14-16 The Message**

I thank you, High God—you're breathtaking! Body and soul, I am marvelously made! I worship in adoration—what a creation! You know me inside and out, you know every bone in my body;



8

---

---

---

---

---

---

---

---

**Psalm 139:14-16 The Message**

Like an open book, you watched me grow from conception to birth; all the stages of my life were spread out before you, The days of my life all prepared before I'd even lived one day.



9

---

---

---

---

---

---

---

---

**Chosen (For Us)**

- 1. Height
- 2. Eye, skin and hair color
- 3. Intelligence (IQ)
- 4. Emotional Intelligence (IQ)
- 5. Personality
- 6. Nationality
- 7. Ethnic background...



10

---

---

---

---

---

---

---

---

**Why am I made like this?**



11

---

---

---

---

---

---

---

---

**Psalm 139**

16 Your eyes saw my unformed substance; in your book were written, every one of them, the days that were formed for me, when as yet there was none of them.



12

---

---

---

---

---

---

---

---

**Psalm 139**

Your eyes have seen my unformed substance; And in Your book were all written the days that were ordained for me, when as yet there was not one of them.



13

---

---

---

---

---

---

---

---

**Keeper of our Body**

- 1. Astonished by our intricate creation
- 2. The privilege of presence is our purpose



14

---

---

---

---

---

---

---

---

**Ephesians 2:19-22**

19 So then you are no longer strangers and aliens, but you are fellow citizens with the saints and members of the household of God, 20 built on the foundation of the apostles and prophets, Christ Jesus himself being the cornerstone,



15

---

---

---

---

---

---

---

---

**Ephesians 2:19-22**

21 in whom the whole structure, being joined together, grows into a holy temple in the Lord. 22 In him you also are being built together into a dwelling place for God by the Spirit.



16

---

---

---

---

---

---

---

---

**Ephesians 2:10**

For we are his workmanship, created in Christ Jesus for good works, which God prepared beforehand, that we should walk in them.



17

---

---

---

---

---

---

---

---

**Keeper of our Body**

- 1. Astonished by our intricate creation
- 2. The privilege of presence is our purpose
- 3. To love God is to love the work of God



18

---

---

---

---

---

---

---

---

**Psalm 139**

17 How precious to me are your thoughts, O God! How vast is the sum of them! 18 If I would count them, they are more than the sand. I awake, and I am still with you.



19

---

---

---

---

---

---

---

---

**Love and Honor God's Work**

- 1. Blessed, Not Cursed
- 2. Powerful, Not Inadequate
- 3. Accepted, Not Rejected

**Honor is rooted in love of God's work**



20

---

---

---

---

---

---

---

---

**2 Corinthians 4:7-9**

7 But we have this treasure in jars of clay, to show that the surpassing power belongs to God and not to us. 8 We are afflicted in every way, but not crushed; perplexed, but not driven to despair; 9 persecuted, but not forsaken; struck down, but not destroyed;



21

---

---

---

---

---

---

---

---

**Dishonor God's Work is Rooted in Lies**

- 1. Cursed, not blessed
- 2. Inadequate, not powerful
- 3. Rejected, not Accepted

**Dishonor is rooted in self-hatred**



22

---

---

---

---

---

---

---

---

**1 Corinthians 3:16-17**

Do you not know that you are God's temple and that God's Spirit dwells in you? If anyone destroys God's temple, God will destroy him. For God's temple is holy, and you are that temple.



23

---

---

---

---

---

---

---

---

**1 Corinthians 6:19-20**

Or do you not know that your body is a temple of the Holy Spirit within you, whom you have from God? You are not your own, for you were bought with a price. So glorify God in your body.



24

---

---

---

---

---

---

---

**Love Yourself, Love Others**

We will love and honor others to the degree we have learned to love and honor the work of God in ourselves.



25

---

---

---

---

---

---

---

**2 Timothy 1:12**

...I am not ashamed, for I know whom I have believed, and I am convinced that he is able to guard until that day what has been entrusted to me.



26

---

---

---

---

---

---

---





27

---

---

---

---

---

---

---